for C. certificate (N.S.S.) Project Report

शा.पं.श्याम. शंकर मिश्र महा. देवभोग

विषय

★ किडनी प्रभावित ग्राम सूपेबेड़ा का अध्ययन ★

प्रस्तुतकर्ता

नाम – विशेसर
स्वयं सेवक
राष्ट्रीय सेवा योजना

कार्यक्रम अधिकारी
रा.से.यो.

जिला संगठक अधिकारी
रा.से.यो.

प्राचार्य
Govt. Pt. S.S.Mishra College, Deobhog
Distt. Gariyaband (C.G.)

किडनी प्रभावित ग्राम सुपेबेड़ा का अध्ययन

रूपरेखा –

(1) प्रस्तावना

(2) ग्राम सुपेबेड़ा से सम्बन्धित आंकड़े

(3) ग्राम सुपेबेड़ा की भौगोलिक स्थिति

(4) ग्राम सुपेबेड़ा में ग्रामीणों की जीवन यापन

(5) सुपेबेड़ा में पर्यावरण दशा

(6) सुपेबेड़ा में स्वच्छता

(7) सुपेबेड़ा में सात दिवसीय एन.एस.एस शिविर

(8) मेरे द्वारा किये गये कार्य

(9) निष्कर्ष

(10) सन्दर्भ

(11) प्रमाण पत्र

(12) पेपर कटिंग

1. **प्रस्तावना** :– ग्राम सूपेबेड़ा में लगातार किड़नी बीमार से ग्रसित के कारण अब तक लगभग 73 लोगो की मृत्यु हो चुकी है। छत्तीसगढ़ ही नही पुरे भारत में यह ऐसे ग्राम है,जहां इस किड़नी बीमारी के कारण इतने लोगों की जान जा चुक है जिससे यह विश्वविख्यात रहकर इस समस्या से जुझ रही है।

   लगातार किड़नी बीमारी से होने वाली मृत्यु अभी भी नही रूक रही है,इस लिए इस समस्या से जुझता गांव को देखकर मुझे इस गांव में राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा सेवा करने का विचार आया और इस ग्राम को स्वच्छता एवं अन्य गतिविधियों मे जागरूकता कर प्रेरित करने कि कोशिस कि।

2. **ग्राम सूपेबेड़ा से सम्बधिंत आंकड़े** :– वि.ख देवभोग के आश्रित ग्राम पंचायत सूपेबेड़ा पांच मोहल्ले में विभाजित है,जिसमें बस्तीपारा,पटेलपारा,हरिजनपारा,सतनामीपारा एवं बोड़पारा आते है और इन सभी मोहल्ले में कुल जनसंख्या 1182 है जिसमें पुरूष 596 एवं महिला 586 की संख्या में है।

3. **ग्राम सुपेबेड़ा की भौगोलिक स्थिति** :– पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि रायपुर गोद ग्राम सूपेबेड़ा के नाम से जाने जानी वाली ग्राम जिला मुख्यालय से लगभग 140 कि.मी की दुरी पर स्थित ग्रामीण अंचल वि.ख देवभोग के ग्राम सूपेबेड़ा उत्तर दिशा की ओर स्थित है।

4. **ग्राम सूपेबेड़ा में ग्रामीणो का जीवन–यापन** :– सूपेबेड़ा एक ग्रामीण ग्राम है यहां के लोग सामान्य जीवन व्यतीत करते है वे सामान्यतः पानी पीने के लिए हैण्डपम्प की जल का उपयोग एवं नहाने के लिए तालाब के पानी का उपयोग करते है तथा वे बाजार के सामान का ज्यादात्तर उपयोग

करते है व वेशभूषा में बुजर्गो द्वारा धोती एवं पंजामा तथा युवा पीढ़ी पेन्ट शर्ट धारण करते है।

यहा के व्यक्ति ज्यादात्तर कृषि पर आश्रित रहते है जहां 90 प्रतिशत सिर्फ किशान है पीने का पानी बीमारी के पहले हैण्डपम्प का उपयोग करते थे , किन्तु अब सरकार द्वारा लगाई गई वॉटर प्यूरेटर से पानी पीते है।

5. **सूपेबेड़ा में पर्यावरणीय दशा** :– ग्राम सूपेबेड़ा जिला मुख्यालय शहर गरियाबंद से दुरस्थ ग्रामीण अंचल 140 कि.मी की दुरी पर स्थित होने के कारण तथा इस क्षेत्र में कल कारखाने नही होने के कारण यहां पेंड पौधे हरे–भरे रूप में पाये जाते है व शुध्द वायु शुध्द परिवेश में रहते है।
6. **सूपेबेड़ा में स्वच्छता** :– सूपेबेड़ा ग्राम में स्वच्छता कुड़े करकट का निपटारा कुछ लोग तो करते थे किन्तु अधिकतर लोग नही करते थे।

एवं स्वच्छ भारत मिशन के तहत यहां के 50 प्रतिशत लोग शौचालय का उपयोग करते थे एवं 50 प्रतिशत बुजुर्ग व्यक्ति खुले में शौच करत थे।

7. **सूपेबेड़ा में सात दिवसीय एन.एस.एस शिविर** :– राष्ट्रीय सेवा योजना शासकीय पंडित श्याम शंकर मिश्र महा.वि. देवभोग एवं शा.नवीन महा.वि. गोहरापदर के संयुक्त तत्वधान में दिनांक 13.12.2019 से 19.12.2019 तक पं.रवि शुक्ल वि.वि रायपुर गोद ग्राम सूपेबेड़ा में आयोजन किया गया। जिसमे एन.एस.एस स्वयं सेवक प्रथम दिवश में शुभारम्भ कार्यकम आयोजित कर सात दिवसीय शिविर का शुभारम्भ किया तथा द्वितीय दिवस में स्कुल परिसर की साफ सफाई की एवं तृतीय दिवस में पशु स्वस्थ्यकर्मी के साथ सहयोग देकर पशु टिकाकरण में हेल्प किये गये एवं चतुर्थ दिवस ग्राम सूपेबेड़ा बस्ती मे कुडे करकट सफाई की गई एवं पंचम दिवस भी जल स्त्रोत पर सफाई की गई एवं षष्ठम दिवस में स्कुल परिसर कि दिवार कि

पोताई कि गई एवं सभी दिन कि शिविर दिनचर्या सही रूप से संचालन किया गया, इसी तरह सभी जन जागरूकता के लिए अनेक रैलीया एवं जनसंम्पर्क तथा नुकड़ नाटक एवं सास्कृतिक कार्यकम कर अन्तिम सप्तम दिवस में कार्यकम की समापन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से टी.एस सोनवानी सर (जिला संगठन अधिकारी) एवं टी.एस मरकाम (कार्यकम अधिकारी) राष्ट्रीय सेवा योजना शा.पं.श्याम.शंकर मिश्र महा.वि. देवभोग उपस्थित थे।

8. **मेरे द्वारा किये गये कार्य** :– राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयं सेवक रहते हुए एवं किडनी प्रभावित ग्राम सूपेबेड़ा परियोजना के तहत मेरे द्वारा निम्न कार्य किया गया। :–

(1) **स्वच्छता के लिए साफ सफाई** :– मेरे द्वारा स्वच्छता के जागरूकता के लिए ग्राम सूपेबेड़ा में साफ सफाई किया गया
जैसे – पालिथिन,कुडे–करकट का निपटारा।

(2) **जल स्त्रोत की सफाई** :– जल स्त्रोत जैसे वाटर टैंक एवं हैण्डपम्प के सामने गंन्दगी की सफाई किया एवं जागरूकता करवाया।

(3) **स्वच्छता रैली एन.एस.एस के माध्यम से** :– राष्टीय सेवा योजना शा.पं. श्याम शं मि .महा.वि. देवभोग एवं शा. नवीन महा.वि गोहरापदर के एन.एस.एस स्वयं सेवक के साथ स्वच्छता रैली जागरूकता के लिए करवाया।

(4) ग्रामीणो को स्वच्छता के लिए जागरूकता :– ग्राम सूपेबेड़ा में स्वच्छता के विषय पर जागरूकता करने के लिए मोहल्ला एवं पारा जाकर जन संम्पर्क एवं स्वच्छता विषय पर समझाया।

(5) किड़नी बीमारी से बचाव के उपाय बताते हुए :– ग्रामीणों को सांस्कृतिक कार्यक्रम नुकड नाटक के द्वारा ग्रामीणों को अंधविस्वाश जागरूक किया गया तथा मैने भी एक परियास कर किडनी बिमारी के कारण एवं उपचार बताया ।

(6) **मवेशियो के टीकाकरण में सहयोग** :– शिविर दैरान पशु स्वास्थ्य कर्मी के साथ मवेशिया का टिकाकरण में सहयोग किया।

(7) **शौचालय के उपयोग के लिए जागरूकता** :– ग्राम सूपेबेड़ा में शौचालय के उपयोग के लिए जन सम्पर्क कर जन जागरूक करवाया।

(8) **पौधा रोपण** :– मेरे द्वारा स्कुल परिसर मे पौधे रोपण किया गया।

(9) **मास्क वितरण** :– विश्व महामारी कोरोना संकट काल में स्वनिर्मित मास्क को ग्राम सूपेबेड़ा में मेरे नेतृत्व में मैने एव मेरे साथियों नें मास्क वितरण किया गया।

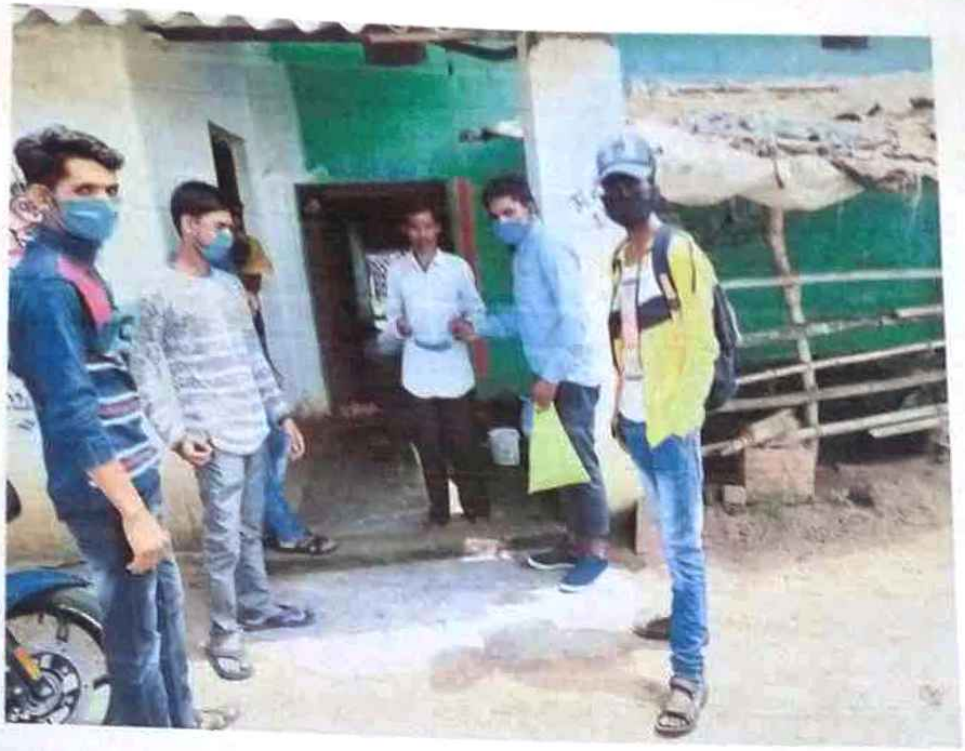

(10) **मेरे द्वारा महाविद्यालय मे किये गये कार्य :–** राष्ट्रीय सेवा योजना शा.पं. श्याम.शंकर मि.महा.वि.देवभोग के स्वयं सेवक रहकर मेरे द्वारा अनेक कार्य किये गये।

(9) **निष्कर्ष** :– राष्ट्रीय सेवा येाजना का उद्देश्य युवाओ की सामाजिक सेवा के साथ साथ नेतृत्व क्षमता विकसित करना है मैने राष्ट्रीय सेवा योजना के व्दारा किडनी प्रभवित ग्राम सुपेबेडा के अध्ययन के तहत एक स्वयं सेवक के रूप में अनेक छोटे बड़े कार्य किये एवं राष्ट्रीय सेवा योजना शा.पं.श्याम.श.मि.महा.वि. देवभोग एवं शाा.नवीन महा.वि. देवभोग के संयुक्त तत्वधान में अनेक सेवा कार्य किए गये जिसमें ग्राम सुपेबेड़ा में गली की साफ–सफाई एवं शौचालय के उपयेाग के लिए प्रेरित एवं अनेक स्वच्छता रैली एवं जनसर्म्पक तथा सांस्कृतिक कार्यकम नुकड नाटक के द्वारा ग्रामीणों को अंध विश्वास एवं पाखण्ड मुक्त अनेक जागरूक्ता कि गई जिससे ग्रामीणों में स्वच्छता तथा अंधविश्वास पाखण्ड के मामले मे हो या साफ सफाई के विषय मे हो तथा शौचालय के उपयोग के विषय में हो यह जागरूकता देखी गई जो सात दिवसीय शिविर एवं मेरे द्वारा किये गये कार्य की एक सफलता है।

।। स्वच्छ गांव स्वच्छ माटी,स्वच्छ देश स्वच्छ परिवेश।।

।। राष्ट्रीय सेवा योजना सफल हो सफल हो।।

कार्यालय ग्राम पंचायत सुपेबेड़ा

जिला–गरियाबंद(छ.ग.)

सत्र–2019–2020

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि चि/कु. विशेसर पिता श्री केशबो राम शासकीय.पं.श्याम.शंकर.मिश्र.महाविद्यालय.देवभोग के राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई के स्वयं सेवक ने किडनी प्रभावित ग्राम सुपेबेड़ा में परियोजना के तहत विशेष सफाई कर स्वच्छाता एवं पेयजल के लिए ग्रामीणोंको जागरूक किया । इस सराहनिय कार्य के लिए ग्राम–पंचायत सुपेबेड़ा यह प्रमाण पत्र प्रदान कर उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

Sunita Nayak
S.NAYAK
Sarpanch
Gram Panchayat Supebeda
Bl.Deobhog,Dist.Gariyaband(C.G.)

संरपंच
ग्राम पंचायत सुपेबेड़ा

दिनांकः– 20 / 12 / 2019

जिला–गरियाबंद (छ.ग.)

राष्ट्रीय मतदाता दिवस

सत्र : 2019-2020

दिनांक 23/01/

क्रमांक 5-304 246

-: प्रशस्ति-पत्र :-

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/कु. बिशेसर नागेशी ने महाविद्यालय में आयोजित

पिता श्री केशव राम नागेशी कक्षा M. Sc. IV Sem.

राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर मतदाता जागरूकता के निबंध/भाषण

प्रतियोगिता मे सम्मिलित होकर द्वितीय स्थान प्राप्त किया ।

एतदर्थ उन्हे यह प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है ।

प्रभारी प्राध्यापक

प्राचार्य

Govt. Pt. S.S. ... Distt.- Gariyaband (C.G.)

राष्ट्रीय सेवा योजना

शासकीय पं. श्याम शंकर मिश्र महाविद्यालय देवभोग

जिला –गरियाबंद (छ.ग.)

सात दिवसीय विशेष शिविर

स्वच्छता ही ~~युवा~~ सेवा

क्रमांक 11/368/2018

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री / सुश्री विशेसर नागेश पिता श्री केशवो राम राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत दिनांक 08.12.2017 से 14.12.2017 तक ग्राम - मुंगझर (देवभोग) जिला- गरियाबंद (छ.ग.) में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर में नायक/ दल नायक शिविरार्थी के रूप में भाग लिया । शिविर अवधि में इनका कार्य एवं व्यवहार अच्छा रहा ।

हम इनके उज्जव भविष्य की कामना करते है ।

कार्यक्रम अधिकारी

PRINCIPAL
Govt. Pt. S.S. Mishra College, Deobhog
Distt. Gariyaband (C.G.)
प्राचार्य

23

NATIONAL SERVICE SCHEME

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.)

बी

क्रमांक/ No. : 11
4265/182/03

प्रमाण-पत्र
Certificate

प्रमाणित किया जाता है कि This is to Certify that श्री/कुमारी Shri / Ku. विशेषर नागेश

आत्मज/आत्मजा/श्री Son / Daughter of Shri केशवो राम कक्षा Class बी.एस.सी.भाग-तीन

महाविद्यालय Institution शास.पं.श्याम शंकर मिश्र महाविद्यालय देवभोग ने राष्ट्रीय सेवा योजना

के स्वंयसेवक के रूप में सत्र _____ से सत्र _____ तक निर्धारित पाठ्यक्रमानुसार 240 घंटे / 'ए' प्रमाण-पत्र धारक

होने के कारण सत्र ..... में 120 घंटे का सेवा कार्य पूर्ण किया। मूल्यांकन के पश्चात् इन्हें "बी" प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाता है।

has completed 240 hours / from Session ..... to ..... / 120 hours with "A" Certificate in

session ..... as NSS Volunteer. "B" Certificate is being given to him after evaluation.

दिनांक : .....
Date : .....

PRINCIPAL
Govt. Pt. S.S.Mishra College, Deobhog
Distt. Gariyaband (C.G.)
प्राचार्य
Principal

Programme Co-ordinator,
Pt. Ravishankar Shukla University,
RAIPUR (C.G.)

कुलपति
Vice-Chancellor

17

कार्यालय जनपद पंचायत देवभोग

जिला–गरियाबंद(छ.ग.)

सत्र–2017–2018

-प्रमाण-पत्र-

प्रमाणित किया जाता है कि चि./कु ~~विशेषर नागेश पिताश्री केशवो राम~~.....ने शासकीय पं.श्याम शंकर मिश्र महाविद्यालय देवभोग के राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई द्वारा स्वच्छता ही सेवा विषय पर आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर दिनांक 08.12.2017 से दि.14.12.2017 तक ग्राम– मुंगझर में विशेष सफाई कर ग्रामीण जनों को जागरूक किया। इन सराहनीय कार्य के लिए जनपद पंचायत देवभोग यह प्रमाण पत्र प्रदान कर उज्जवल भविष्य की कामना करती है।

श्रीमती नेहा सिंघल	श्री अमितेष अवस्थी	श्री विनय अग्रवाल
अध्यक्ष	सभापति	मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत देवभोग	जनपद पंचायत देवभोग	जनपद पंचायत देवभोग

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी
जिला–गरियाबंद (छ.ग.)

" Electoral Literacy for Stronger Democracy "

–: प्रशस्ति पत्र :–

शैक्षणिक सत्र 2019–20 में मतदाता जागरूकता के क्षेत्र में कैम्पस एम्बेसडर के रूप में उत्कृष्ट कार्य करने के लिये श्री / श्रीमती / कु. ....विशेसर........ पिता/पति श्री ....केशवो राम........ (छ.ग.) को 25 जनवरी 2020 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर यह प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

प्राचार्य
प्राचार्य
हस्ताक्षर एवं सील
जिला- गरियाबंद (छ.ग.)

कलेक्टर
एवं जिला निर्वाचन अधिकारी
जिला–गरियाबंद (छ.ग.)

39

जनपद पंचायत देवभोग, जिला - गरियाबंद (छ.ग.)

41

वर्ष 2015-16

प्रमाण पत्र

ित किया जाता है कि चि./कु. ....[illegible].. ने
शंकर मिश्र महाविद्यालय देवभोग के राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई द्वारा स्वच्छता व युवा
जित सात दिवसीय विशेष शिविर (दिनांक 14.12.2015 से 20.12.2015 तक)
में विशेष सफाई कर ग्रामीण जनों को जागरूक किया। इनके सराहनीय कार्य के लिए
देवभोग यह प्रमाण पत्र प्रदान कर उज्जवल भविष्य की कामना करती है।

सिंघल
पंचायत देवभोग

अमितेष अवस्थी
सभापति, जनपद पंचायत देवभोग

एल. एस. मार्को
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत देवभोग

Election Commission of India

Certificate of appreciation

Certified that Mr./Miss **VISHESH NAGESH** EPIC number **NBD1451954** has verified his/her details in electoral roll on **20/09/2019** and authenticated his/her enrolment through **Voter Helpline Mobile App** using the document **Adhaar Card**.

We appreciate the elector and recognize his/her contributions towards strengthening democracy.

CEO (Chhattisgarh)

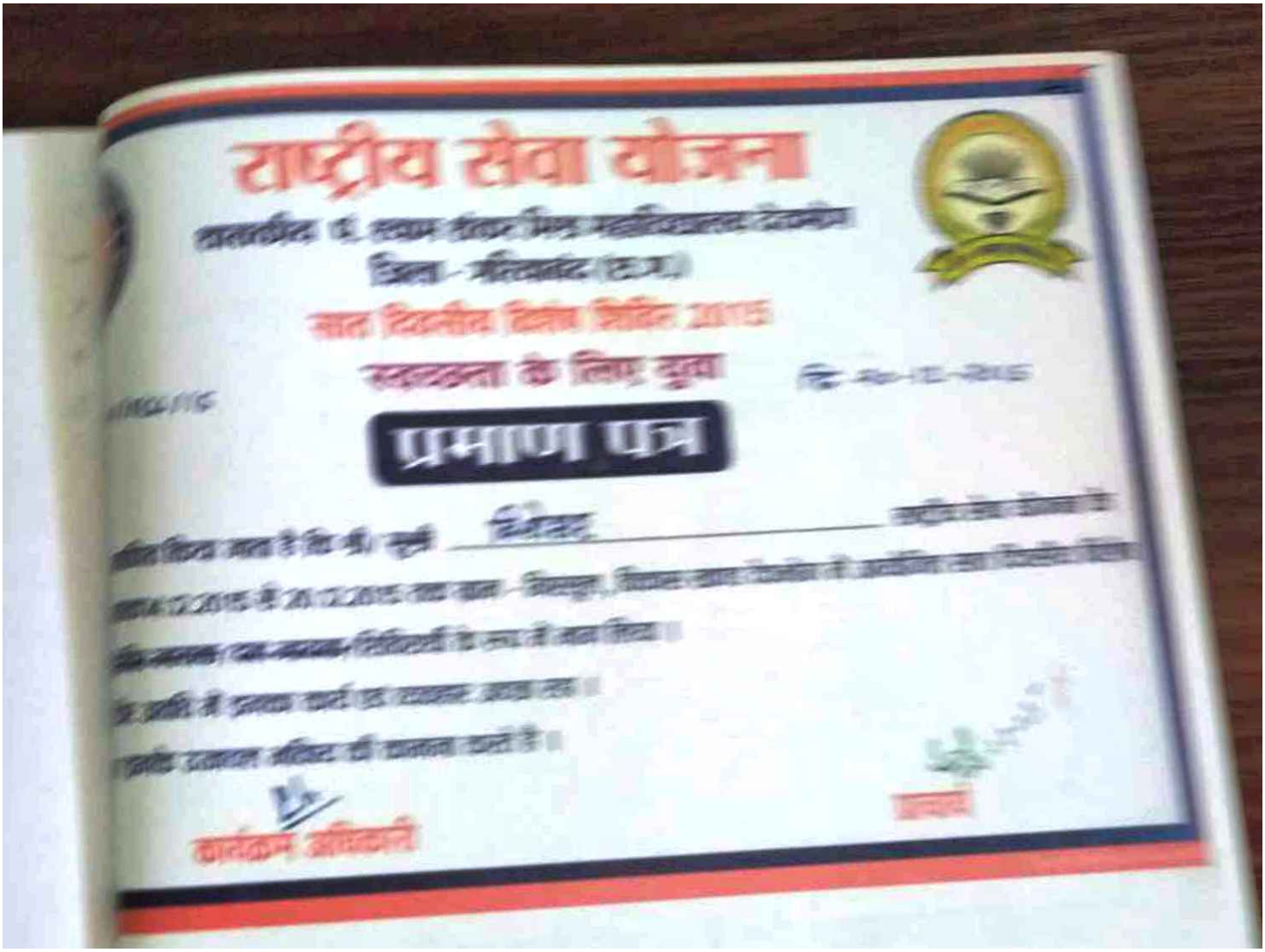
राष्ट्रीय सेवा योजना
प्रमाण पत्र

(12) पेपर कटिंग :–

शिविर • गोहरापदर और देवभोग कॉलेज के 150 छात्र-छात्राओं ने लगाया एनएसएस योजना के तहत कैंप

किडनी पीड़ित सुपेबेड़ा में दिया स्वच्छता का संदेश

स्कूल परिसर सहित नहाटूप और नाली की सफाई

समापन • पंडित श्याम शंकर कॉलेज के स्वयंसेवकों ने सफाई कर ग्रामीणों को स्वच्छता अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित किया

सुपेबेड़ा में नृत्य से ग्रामीणों को जागरूक किया

देवभोग. सुपेबेड़ा में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते स्वयंसेवक।

निधन के बाद रस्म निभाना फिजूलखर्च, इसे बच्चों के लिए सुरक्षित रखने का स्वयंसेवकों ने संदेश दिया

नवापारा राजिम. मंच पर संदेश देते कार्यक्रम प्रस्तुत करते शिविरार्थी।

इन स्वयंसेवकों को पुरस्कृत किया

द्वारा शिविर में प्रतिदिन प्रातः योग एंव व्यायाम शिविर प्रभातफेरी के तहत प्रेरणा गीतों का गांव के गलियों में गुंजन करने के साथ ही प्रेरक नारे लगाए जा रहे है।

परियोजना कार्य के तहत विभिन्न सार्वजनिक स्थानों की सफाई करते हुए निर्माण कार्य किया जाएगा बौध्दिक परिचर्चा कार्यक्रम के तहत प्रतिदिन कृषि एंव पशुपालन, पुलिस एंव परिवाहन, स्वास्थ्य विभाग के साथ वक्ताओं द्वारा ग्रामीणों एवं शिविरार्थी के बीच विभिन्न विषयों पर परिचर्चा आयोजित किए जा रहे है शिविर में ग्रामीण जनों एवं शिविरार्थी स्वयं सेवको के बीच प्रतिदिन देशी खेलो का आयोजन,

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर सुपेबेड़ा में 13 से 19 तक

मिश्र महाविद्यालय देवभोग के एनएसएस स्वयं सेवकों द्वारा स्वेच्छा से किडनी प्रभावित ग्राम सुपेबेड़ा में मास्क वितरण किए

Aijaj Khan 2 weeks ago

SS

...वभोग के सुपेबेड़ा में फिर किडनी पीड़ित पिता की मौत, बेटा गंभीर

...क 70 से अधिक पीड़ितों की मौत, 200 से अधिक बीमारी से ग्रसि...

...इधर महीनों से बीमारी से ग्रसित खटिया में।

...नईदुनिया न्यूज

किडनी पीड़ित सुपेबेड़ा गांव में ... पीड़ित पिता की मौत हो गई ... की हालत अभी भी बीमारी ... गंभीर बनी हुई है। जानकारी के ... पूनेन पिछले कई वर्षों से ... मारी से ग्रसित था। परिजनों ... तक कर्ज लेकर जगह-जगह ... कराया लेकिन आखिरकार ... सुबह आठ बजे दम तोड़ ... के पुत्र के बेटे दुर्योधन पूनेन अभी भी गंभीर बताई जा रही ... है के मुताबिक अब तक 70 पीड़ितों की मौत हो चुकी है ... सिन्हा, अकालु मसरा, ... लेकिन 200 से अधिक ग्रामीण ... मारी से ग्रसित हैं। जिनमें गंभीर ... संख्या काफी अधिक बताई ... उनको डायलिसिस कराने ... अवसर डॉक्टरों द्वारा भी मानी ... बावजूद इसके अब तक कोई ... नहीं हो पाई। किडनी पीड़ितों ... सरकार द्वारा समुचित इलाज ... डीकेएस अस्पताल में देने की ... थी पर पीड़ित बिल्कुल भी ... कर रहे हैं।

... के विधायक मंत्री टीएस ... गांव में चौपाल लगाते हुए पीड़ितों को इलाज के लिए राजधानी बुलाया था। फिर भी पीड़ित राजधानी के अस्पताल पर भरोसा नहीं कर पा रहे हैं और लाखों रुपये खर्च कर आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम अस्पताल में इलाज कराने को मजबूर हैं। लेकिन सबसे चिंता की बात तो यह है कि जिसकी आ... स्थिति खराब है वह भगवान भरोसे सरकार से इलाज ले पा रहे हैं और न ... जगह इलाज करवा रहे हैं।

> मामले की मुझे जानकारी मिली है। जिसके संबंध में कलेक्टर से भी बात हुई। हम लगातार पीड़ितों का इलाज कर रहे हैं। रही बात दुर्योधन की तो वह हमारे स्वास्थ्य विभाग में इलाज कराना बंद कर दिए थे।
>
> **-निहारिका बारिक,** प्रमुख सचिव स्वास्थ्य विभाग

> सिर्फ किडनी के कारण पुने... की मौत नहीं हुई अन्य बीमा... भी थी। डायबिटीज नेफ्रोपैथी है और फेफड़े की सीओपीडी बीमारी थी। हा... एक सप्ताह पहले हमारे पास पीड़ित आ... था जिसमें जांच के दौरान क्रिएटिन अ... यूरिक एसिड 10 गुना बढ़ा हुआ था। ... हमने उन्हें रायपुर रेफर किया था लेकि... वह गए नहीं।
>
> **-सुनील भारती,** ...